राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

कोहली पर लगा मैच फीस का 25 फीसद जुर्माना

>> 12

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 14

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, सोमवार, 24 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

लोकतंत्र के प्रहरी

आपातकाल के 44 साल

खौफनाक था वो मंजर... अपील न दलील, सीधे गिरफ्तारी

बरेली : आपातकाल लगने के बाद उत्तर प्रदेश के बरेली शहर के थानों, डीएम ऑफिस, आवास पर सरकार विरोधी पोस्टर चिपकाए गए थे। पुलिस ने पोस्टर लगाने वालों के घर पर छापे मार कर गिरफ्तारियां की थीं। इस दौरान न कोई दलील सुनी, न अपील का मौका दिया। ● पेज 13

हमारी सरकार

धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री

भरोसा जीतना इन्हें आता है ● पेज 5

बालाकोट के बाद समुद्र से भी पाक को सबक सिखाने की थी तैयारी

जेएनएन, नई दिल्ली

पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में हवाई हमला कर जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया था। यही नहीं, भारत ने समुद्र के क्षेत्र से भी पाकिस्तान को सबक सिखाने की तैयारी कर ली थी। बालाकोट के बाद पाकिस्तानी की अत्याधुनिक माने जाने वाली पनडुब्बी गायब हुई तो भारतीय नौसेना अत्यधिक आक्रामक हो गई थी। नौसेना ने न सिर्फ परमाणु और पारंपरिक हथियारों से लैस अपनी पनडुब्बियों को पाकिस्तान की सीमा के पास तैनात कर दिया था, बल्कि उसकी लापता पनडुब्बी की तलाश भी तेज कर दी थी।

भारत की तरफ से पनडुब्बियों और समुद्री अस्त्र-शस्त्रों की आक्रामक तैनाती से पाकिस्तान को आभास होने लगा था कि भारत किसी भी वक्त नौसेना को बदले की कार्रवाई का आदेश दे सकता है। आपको बता दें कि पुलवामा में जैश-ए-मुहम्मद के आत्मघाती हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। इस हमले के जवाब में भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश के आतंकी शिविरों पर हवाई हमला किया था, जिसमें बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए थे।

पाक सेना पर भारत की नजर : बालाकोट हमले के बाद भारत लगातार पाकिस्तान की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। वह पाक के किसी भी हिमाकत का दोहरी ताकत से जवाब देने की तैयारी में था। बालाकोट में हवाई हमले के बाद पाकिस्तान की सबसे आधुनिक मानी जाने वाली अगोस्टा श्रेणी की पनडुब्बी-पीएनएस साद, उसके जल क्षेत्र से गायब हो गई थी। पीएनएस साद में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्सन लगा होता है, जो कि एक ऐसी तकनीक है जिससे पनडुब्बी आम पनडुब्बी के मुकाबले अधिक समय तक पानी में रह सकती है। इस पनडुब्बी की तलाश के लिए भारतीय नौसेना जुट गई थी।

- पाकिस्तान की अत्याधुनिक अगोस्टा श्रेणी की पनडुब्बी पीएनएस साद उसके जल क्षेत्र से गायब थी
- भारत ने 21 दिनों के सघन अभियान के बाद लगाया था पाक पनडुब्बी का पता
- पाकिस्तानी नौसेना से हर मामले में अत्यधिक श्रेष्ठ है भारतीय नौसेना

दिसंबर 2017 में पनडुब्बी कलवरी के जलावतरण के मौके पर पीएम मोदी। एएनआइ (फाइल फोटो)

कराची से गायब हुई थी पाक पनडुब्बी : सूत्रों ने बताया कि पीएनएस साद पनडुब्बी कराची के पास से गायब हुई थी, वहां से वह तीन दिनों में गुजरात तट और पांच दिनों के भीतर मुंबई में पश्चिमी बेड़े के मुख्यालय तक पहुंच सकती है। जिससे देश की सुरक्षा के लिए काफी बड़ा खतरा दिख रहा था। इसको देखते हुए भारत ने पनडुब्बी रोधी विशेष युद्धपोत और विमान पाकिस्तान की लापता हो गई पनडुब्बी की तलाश में तैनात किए थे।

भारतीय नौसेना ने की व्यापक तलाशी : भारतीय नौसेना ने उन सभी क्षेत्रों की व्यापक तलाश की, जहां इस समयसीमा के भीतर पनडुब्बी जा सकती थी। पी-8आइएस को महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के बाद गुजरात के तटीय क्षेत्रों में पनडुब्बी का पता लगाने के लिए लगाया गया था। नौसेना द्वारा सभी एहतियाती उपाय किए गए थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीएनएस साद भारतीय जल में भले ही प्रवेश कर गई हो, लेकिन उसे सतह पर आने के लिए बाध्य किया जा सके।

आइएनएस कलवारी को भी लगाया : परमाणु हथियारों से युक्त आइएनएस चक्र और स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी आइएनएस कलवारी को भी पाकिस्तानी पनडुब्बी की तलाश में लगाया गया था। अंत में 21 दिनों के बाद यह पनडुब्बी पाकिस्तान के पश्चिमी हिस्से में मिली। पाकिस्तान ने इसे सुरक्षित रखने के लिए भारत की नजरों से छिपाया था। पाक पनडुब्बी के गायब होने के बाद नौसेना को भी यही आशंका थी। उसे ऐसा लग रहा था कि या पाकिस्तान भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रणनीति बना रहा है, या फिर उसने भारत की नजरों से बचाने के लिए अपनी पनडुब्बी को कहीं छिपा दिया है।

भारत ने तैनात किए थे 60 युद्धपोत: पुलवामा और बालाकोट के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ने के बाद भारतीय नौसेना ने 60 से ज्यादा युद्धपोतों को उत्तरी अरब सागर में तैनात कर दिया था। इसमें विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य भी शामिल था।

पाक से हर क्षेत्र में बेहतर है भारतीय नौसेना : भारतीय नौसेना हर मामले में पाकिस्तान की नौसेना से बेहतर है। उस समय भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन डीके शर्मा ने कहा भी था कि भारतीय नौसेना तीनों आयामों में पाकिस्तानी नौसेना से अत्यधिक श्रेष्ठ है। पाकिस्तान भी यह अच्छी तरह से जानता है। यही कारण था कि पाक ने अपने युद्धपोत को मकरान तट के पास ही रखा, उन्हें समुद्र में नहीं भेजा था।

सरोकार

कोमल हैं पर कमजोर नहीं, साबित करेंगी बेटियां

आगरा : आगरा से करीब 1800 जाबांज सेना में हैं। 2600 पूर्व सैनिकों के परिवार भी यहां रहते हैं। अब यहां से बेटियों ने भी इस परंपरा को अपनाने की ठानी है। यहां 'द सेनाभ्यास एजुकेशनल सेंटर' पर बेटियां रस्सी पर चढ़ने, जंप की प्रैक्टिस करते मिलेंगी। मंकी क्रॉल व टार्जन स्विंग भी उनके अभ्यास का हिस्सा है। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

एयर इंडिया का क्षेत्रीय निदेशक पर्स चोरी में निलंबित

नई दिल्ली : एयर इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक स्तर के एक अधिकारी को सिडनी एयरपोर्ट पर चोरी करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद उनके स्थान पर पूर्वी क्षेत्र के मौजूदा रीजनल डायरेक्टर संजय मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

कश्मीर में पांच घंटे चली मुठभेड़, चार आतंकी ढेर

श्रीनगर : सुरक्षाबलों ने रविवार को दक्षिण कश्मीर के कीगाम शोपियां में अंसार-उल-गजवात-ए-हिंद के चार आतंकियों को मार गिराया। इनमें सात लाख का इनामी शौकत और दो दिन पहले ही एजीएच का हिस्सा बने सुहेल और रफी हसन मीर भी शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

राष्ट्रपति ट्रंप के लिखे खत को किम ने बताया बेहतरीन

सियोल : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर उत्तर कोरिया से वार्ता की दिशा में कदम बढ़ाया है। ट्रंप ने उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को पत्र लिखा है। किम ने खत को बेहतरीन बताते हुए ट्रंप को सराहा है।

क्रिकेट महाकुंभ

अफगानिस्तान vs बांग्लादेश

दोपहर 3:00 बजे से

स्थान : साउथैंप्टन

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

ईरान पर अमेरिका का साइबर हमला

बढ़ता टकराव ▶ रॉकेट और मिसाइल लांचर नियंत्रित करने वाले कंप्यूटर को जाम करने का किया दावा

तनातनी के बीच आज से ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका

वाशिंगटन, एपी/रायटर : अमेरिका और ईरान के टकराव में नया मोड़ आ गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि युद्ध के फैसले से पीछे हटने के बाद ईरान के सैन्य कंप्यूटर सिस्टम पर साइबर हमला किया गया है। यह हमला ट्रंप की अनुमति से किया गया। इसके अलावा, अमेरिका सोमवार से ईरान पर कुछ और प्रतिबंध भी लगाने की तैयारी में है।

अधिकारियों के मुताबिक, इस साइबर हमले के जरिये ईरान के रॉकेट और मिसाइल लॉन्चर नियंत्रित करने वाले कंप्यूटर सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया। साइबर कमान की इस कार्रवाई के जरिये अमेरिका ने अपनी साइबर सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया है। अमेरिका इस दिशा में अपनी ताकत को लगातार बढ़ाने पर काम कर रहा है। साइबर हमले के इस दावे को लेकर ईरान ने कोई बयान नहीं दिया है। पिछले दशक में फैले स्टक्सनेट वायरस के बाद से ईरान ने अपने ज्यादातर महत्वपूर्ण विभागों और ढांचों को इंटरनेट से अलग कर लिया है। माना जाता है कि इस वायरस को फैलाने में अमेरिका और इजरायल की संयुक्त भूमिका थी। इससे ईरान के हजारों कंप्यूटर बाधित हुए थे।

डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

ड्रोन पर हमले के बाद से युद्ध के हालात : ईरान ने गुरुवार को अमेरिका के एक ड्रोन को मार गिराया था। ईरान का दावा है कि ड्रोन उसकी सीमा में उड़ रहा था। वहीं, अमेरिका का कहना है कि ड्रोन अंतरराष्ट्रीय सीमा में था। इस घटनाक्रम के बाद से दोनों देशों में युद्ध की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध का आदेश भी दे दिया था। हालांकि आखिरी पल में उन्होंने यह कहते हुए हमला रोक दिया कि इसमें कई लोगों की जान चली जाएगी।

ईरान ने भी की है साइबर हमले की कोशिश : बताया जा रहा है कि पिछले कुछ हफ्तों में ईरान के लिए काम करने वाले कुछ हैकर्स ने अमेरिका की सरकारी एजेंसियों के कंप्यूटर को निशाना बनाने की कोशिश की है। वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी एजेंसियों और कंपनियों को भी निशाना बनाने का प्रयास हुआ है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किसी हैकर को इसमें सफलता मिली है कि नहीं।

तेहरान पहुंचे ब्रिटिश मंत्री : क्षेत्र में व्याप्त तनातनी के बीच ब्रिटेन के पश्चिम एशियाई मामलों के मंत्री एंड्रयू मुरिसन रविवार को ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे। उन्होंने ईरान के विदेश मामलों की रणनीतिक परिषद के प्रमुख कमाल खराजी से मुलाकात की। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। 2015 में हुए परमाणु समझौते पर भी बात हुई। ब्रिटेन ने हालिया तनाव को कम करने पर भी जोर दिया।

युद्ध हुआ तो संभालना मुश्किल होगा : राशिद

ईरान के सैन्य कमांडर मेजर जनरल घोलामली राशिद ने कहा है कि ईरान के साथ किसी भी तरह के टकराव से क्षेत्र में ऐसा युद्ध छिड़ेगा, जिसे संभालना मुश्किल होगा। यह अमेरिकी सेनाओं पर भी भारी पड़ेगा। अपने सैनिकों की जिंदगी को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी प्रशासन को जिम्मेदारी से कदम उठाना चाहिए। उन्होंने अमेरिका की दखल देने की नीति को तनाव का जिम्मेदार बताया। ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने भी हालात के लिए अमेरिका को जिम्मेदार बताया है। ईरान की संसद में 'डेथ टू अमेरिका' (अमेरिका को मौत) के नारे भी लगे।

अमेरिका ने भी चेताया : अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा है कि आखिरी पल में युद्ध का फैसला वापस लेने के अमेरिका के कदम को ईरान उसकी कमजोरी ना समझे। उन्होंने कहा, 'ईरान या कोई भी पक्ष को अमेरिका के विवेक को उसकी कमजोरी नहीं समझे। हमारी सेना तैयार है।' बोल्टन एक त्रिपक्षीय बैठक के लिए इजरायल पहुंचे हैं। यहां वह रूस और इजरायल के समकक्ष अधिकारियों से बात करेंगे। दूसरी ओर, तनाव के बीच सऊदी अरब की सरकारी एयरलाइन ने भी रास्ता बदल दिया है। एयरलाइन के विमान ईरान की हवाई सीमा से नहीं गुजरेंगे। इससे पहले भारत भी अपने विमानों को ईरान के हवाई क्षेत्रों से न गुजरने का आदेश दे चुकी है। (पेज-11 भी देखें)

राजस्थान में तेज आंधी और बारिश से पंडाल गिरा, 16 की मौत

बाड़मेर जिले के जसोल कस्बे में रविवार को तेज आंधी-बारिश से यही रामकथा पंडाल गिरा था। हादसे के बाद लोगों को बचाने के लिए मौके पर जुटे लोग। जागरण

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान के सीमांत बाड़मेर जिले के जसोल कस्बे में रविवार शाम तेज आंधी-बारिश से रामकथा का पंडाल गिर जाने से 10 पुरुष और छह महिलाओं समेत 16 लोगों की मौत हो गई। 55 लोग घायल बताए गए हैं। अधिकांश लोगों की मौत का कारण पंडाल गिरने के बाद उसमें फैला करंट बताया जा रहा है। कुछ की मौत भगदड़ मचने से भी हुई है। मृतकों में 12 की पहचान हो गई है, जिनमें अधिकांश बुजुर्ग हैं।

रामकथा के दौरान करीब दो हजार लोग पंडाल में मौजूद थे। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम, एसपी सहित अन्य उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को पहले तो बालोतरा के स्थानीय नाहटा अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में उन्हें एंबुलेंस और निजी वाहनों से बाड़मेर व जोधपुर के सरकारी अस्पताल के लिए रवाना किया गया है। राज्य सरकार ने चिकित्सकों की छुट्टी रद कर उन्हें काम पर लौटने को कहा है। जोधपुर से चिकित्सकों का दल भी जसोल भेजा गया है। मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

जिलाधिकारी हिमांशु गुप्ता ने बताया कि 13 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। तीन की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात कर बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

- बाड़मेर के जसोल में रामकथा के दौरान हुआ हादसा, करंट फैलने से हुई अधिकांश मौतें, जांच के आदेश

यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। **- नरेंद्र मोदी, पीएम**

पंडाल गिरने से हुई मौतों पर मुझे गहरा दुख है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

अव्यवस्था के बीच लगाया गया था पंडाल : रामकथा का आयोजन स्थानीय लोगों ने किया था। आयोजकों ने न तो प्रशासन से मंजूरी ली थी और न ही मौके पर आपात स्थिति से निपटने का कोई प्रबंध था। मौके पर एंबुलेंस भी नहीं थी। एक मंदिर के पास सरकारी स्कूल के खुले मैदान में 200 फीट बड़ा पंडाल भी केवल पतले लोहे के खंभों पर लगाया गया था। बिजली का कनेक्शन भी अस्थाई लिया गया था।

हादसे से पहले का वीडियो आया सामने : आंधी-बारिश से पंडाल उड़ने से चंद सेकेंड पहले का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथावाचक लोगों को आंधी और बारिश की जानकारी देने के साथ ही पंडाल से बाहर निकल जाने के लिए कहते दिख रहे हैं। कथावाचक और कुछ कह पाते इससे पहले ही पंडाल भरभरा कर गिर पड़ा।

बसपा के तीनों शीर्ष पद माया के परिवार में

बहनजी पार्टी की अध्यक्ष, भाई उपाध्यक्ष और भतीजा नेशनल कोआर्डिनेटर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

परिवारवाद के मुद्दे पर विरोधी पार्टियों को घेरने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने संगठन में बदलाव करते हुए अपने भाई और भतीजे को पार्टी में नंबर दो व तीन की हैसियत प्रदान की है। कार्यकर्ताओं को हिदायत भी दी कि जिस तरह से अब तक मेरी बात मानते आए हैं, उसी तरह से इन दोनों की बातें भी मानें।

रविवार को लखनऊ में राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मायावती ने भाई आनंद कुमार को बसपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोआर्डिनेटर नियुक्त किया। आकाश के सहयोग के लिए रामजी गौतम को भी नेशनल कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। गौतम हाल ही में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए थे। दोनों को राज्यों में संगठन को मजबूत करने का दायित्व दिया गया है।

पार्टी में अब परिवार का सीधा दखल : बसपा कैडर में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के बाद कोआर्डिनेटर का पद सबसे अहम है। इस फैसले से मायावती ने स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी में अब परिवार का ही सीधा दखल रहेगा। मैराथन बैठक में माया ने 2022 के विस चुनाव को लक्ष्य बनाकर तैयारी में जुटने का निर्देश देते हुए प्रदेश की 12 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को पूर्वाभ्यास की तरह लड़ने को कहा।

उपचुनाव में गठबंधन नहीं, सपा से दूरी के फिर संकेत: उपचुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करने की बात दोहराते हुए बसपा प्रमुख ने सपा से दूरी बनाए रखने के संकेत भी दिए। 2007 की तरह भाईचारा समितियों को मजबूत व सक्रिय करने के लिए कहा ताकि 2022 में प्रदेश में बसपा की सरकार बने। प्रदेश व केंद्र सरकार को कोसने में भी कोताही नहीं की।

- परिवारवाद पर विरोधी पार्टियों को घेरने वाली बसपा प्रमुख खुद उसी रास्ते पर

मायावती फाइल फोटो

बुआ-भतीजे में और बढ़ी खटास

लखनऊ : लोकसभा चुनाव में मायावती व अखिलेश यादव के बीच मधुर हुए रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है। रविवार को संपन्न बसपा की बैठक में मायावती सपा नेताओं पर खूब बरसीं। यादव वोट बैंक ट्रांसफर नहीं कराने की तोहमत दोहराने के साथ अनेक सीटों पर बसपा की हार के लिए उन्होंने सपा के जिम्मेदार नेताओं को दोषी ठहराया। माया ने चुनाव खत्म होने के बाद अखिलेश द्वारा कोई फोन नहीं करने पर भी कड़ा एतराज जताया। (पेज-3)

दानिश होंगे लोकसभा में दल नेता पेज>>3

मॉब लिंचिंग पीड़ितों को मुआवजा देगी छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार की कांग्रेस सरकार ने मॉब लिंचिंग (उन्मादी भीड़ की हिंसा) के पीड़ितों को मुआवजा देने का फैसला किया है। इसके लिए भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार ने 2011 में बने पीड़ित क्षतिपूर्ति कानून में संशोधन किया है। अब इस तरह की घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को सरकार तीन लाख रुपये की सहायता देगी। मानसिक पीड़ा, शैक्षणिक अवसर और जीविकोपार्जन की क्षति पर भी मुआवजा मिलेगा। (पेज-4)

देश के ज्यादातर हिस्सों में कम बारिश,जल संकट की आशंका

नई दिल्ली : जून का महीना गुजरने वाला है और मानसून की चाल बेहद धीमी है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, देश के मौसम संबंधी 84 फीसद उपखंडों में अभी तक कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं, केंद्रीय जल आयोग के आंकड़े बता रहे हैं कि देश के प्रमुख 91 जलाशयों में से 80 फीसद में सामान्य से भी कम पानी है, इनमें से 11 जलाशयों में पानी का भंडारण शून्य फीसद है, जो देश में पानी की भीषण कमी को दिखाता है। (पेज-7)

रेलवे की योजना

अपना स्पेक्ट्रम लेकर ट्रैक के किनारे मोबाइल टावर लगाने की रेलवे की योजना, ट्रेन के रफ्तार पकड़ने पर भी नहीं बाधित होंगी तरंगें, चलता रहेगा इंटरनेट

अब चलती ट्रेन में मिलेगी वाई-फाई की सुविधा

संजय सिंह, नई दिल्ली

स्टेशनों को वाई-फाई से लैस करने के बाद अब रेलवे की योजना ट्रेनों के भीतर भी यात्रियों को वाई-फाई की सुविधा मुहैया करने की है। ताकि वे बिना किसी व्यवधान के अपने कंप्यूटर और मोबाइल पर वीडियो और फिल्मों का मजा ले सकें। इसके लिए रेलवे अपना खुद का स्पेक्ट्रम हासिल करेगा।

अभी तक रेलवे ने 1603 स्टेशनों को वाई-फाई सुविधा से लैस कर दिया है, जबकि 4882 स्टेशनों को वाई-फाई से लैस करने पर काम चल रहा है। स्टेशन पर वाई-फाई सुविधा मिलने से यात्री स्टेशन परिसर और आसपास की कुछ दूरी तक तो इंटरनेट का उपयोग कर पाते हैं, परंतु ट्रेन के भीतर कुछ दूरी के बाद इसका असर समाप्त हो जाता है और तब इंटरनेट केवल मोबाइल डाटा के भरोसे चलता है। हालांकि उसमें रफ्तार के साथ बीच-बीच में व्यवधान आता रहता है। इस कारण अब तक न तो ट्रेन के भीतर लाइव टीवी का प्रसारण संभव हुआ और न ही सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज की निगरानी संभव हुई है। और तो और, वंदे भारत जैसी अत्याधुनिक ट्रेन के भीतर सार्वजनिक उद्घोषणा के लिए लगाए गए टीवी मानीटर्स पर आगामी और मौजूदा स्टेशनों के बारे में लाइव सूचनाएं भी इसी वजह से प्रसारित नहीं हो पा रही हैं। ट्रेन के भीतर वाई-फाई सुविधा मिलने से ये सब कुछ संभव हो जाएगा।

शताब्दी देश की लक्जरी ट्रेनों में है। फाइल फोटो

इसके लिए रेलवे अपना खुद का स्पेक्ट्रम लेने का प्रयास कर रहा है। सरकार से स्पेक्ट्रम प्राप्त होते ही रेलवे अपनी लाइनों के किनारे जगह-जगह पर मोबाइल टॉवर स्थापित करेगा और उन्हें पहले से बिछे ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) के साथ संबद्ध करेगा। इससे ट्रेन यात्रियों को अपने कोच के भीतर निर्बाध इंटरनेट सुविधा हासिल हो सकेगी। अभी स्टेशनों पर वाई-फाई के लिए निजी कंपनियों के स्पेक्ट्रम और सेट-अप का उपयोग किया जाता है।

नौकरी पेशा लोगों के बहुत से काम हो जाएंगे आसान : स्टेशनों के बीच और ट्रैक के साथ-साथ मजबूत वाई-फाई तरंगों की उपलब्धता होने से ट्रेन के भीतर इंटरनेट सर्फिंग आसान हो जाएगी और बार-बार बफरिंग की समस्या से निजात मिलेगी। ये सुविधा व्यस्त नौकरी पेशा लोगों के लिए वरदान साबित होगी और वे सफर के दौरान अपने जरूरी कार्यों को ट्रेन के अंदर से ही निपटा सकेंगे।

हादसों पर अंकुश लगाने में मिलेगी मदद : इस सुविधा से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ट्रेन हादसों पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी। कोच के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज की कंट्रोल रूम से रियल टाइम निगरानी होने से अवांछित तत्वों को नियंत्रण में लेना और पकड़ना आसान हो जाएगा। वाई-फाई का उपयोग करते हुए भविष्य में ट्रेन प्रोटेक्शन एंड वार्निंग सिस्टम (टीपीडब्लूएस) के जरिए ट्रेन दुर्घटनाओं को भी रोकने में भी मदद मिलेगी। अभी जीपीएस आधारित इस यूरोपीय प्रणाली को महज इसीलिए नहीं अपनाया जा पा रहा है, क्योंकि ट्रैक के साथ वाई-फाई सुविधा नहीं होने से तरंगें बाधित हो जाती हैं। कोहरे के दौरान हादसे रोकने और ट्रेनों को लेटलतीफी से बचाने में भी ये व्यवस्था कारगर साबित होगी।

बसंत विहार में बुजुर्ग दंपती और घरेलू सहायिका की हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- देश की राजधानी में 24 घंटे में नौ हत्याएं, कानून व्यवस्था पर भी उठे सवाल

दिल्ली के पॉश इलाके वसंत विहार के वसंत अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर शनिवार रात बुजुर्ग दंपती व नर्सिंग सहायिका की हत्या कर दी गई। दंपती के गले पर धारदार वस्तु से हमला किया गया है, जबकि नर्सिंग सहायिका का गला रेता गया है। पुलिस को गुमराह करने के लिए घर का सामान भी इधर-उधर फेंका गया है। हालांकि, मौके पर मिले शराब के दो खाली गिलास से पुलिस किसी जानकार के हत्याकांड में शामिल होने का अंदाजा लगा रही है। राजधानी में 24 घंटे में नौ लोगों की हत्या से कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

डीसीपी साउथ वेस्ट देवेंद्र आर्या के मुताबिक सीजीएचएस से सेवानिवृत्त फार्मासिस्ट विष्णु माथुर (80) व एनडीएमसी से सेवानिवृत्त उनकी पत्नी शशि माथुर (75) का वसंत अपार्टमेंट में पहली मंजिल पर फ्लैट है। उनके साथ ही उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली नर्सिंग सहायिका खुशबू नौटियाल (24) भी रहती थी। खुशबू का परिवार महरौली में रह रहा है। वहीं बुजुर्ग दंपती के बेटे की मौत हो चुकी है, जबकि बेटी ग्रेटर कैलाश में रहती है।

रविवार सुबह करीब 8.45 बजे बुजुर्ग दंपती की घरेलू सहायिका बबली पहुंची तो फ्लैट का दरवाजा खुला था। अंदर देखा तो दंपती के शव कमरे में बेड पर और खुशबू का शव ड्राइंग रूम में फर्श पर पड़ा था। घर का सामान बिखरा पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस को एक टेबल पर दो खाली गिलास मिले हैं, जिनमें शराब पी गई है। घर से दंपती व नर्सिंग सहायिका का मोबाइल गायब हुआ है। प्राथमिक जांच के मुताबिक वारदात को रात 12 बजे के बाद अंजाम दिया गया है। घर में फोर्स एंट्री के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में वारदात को किसी करीबी द्वारा अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। इधर फॉरेंसिक टीम ने मौके से ब्लड सैंपल, फिंगर प्रिंट लिए हैं। (पेज-2 भी देखें)

राष्ट्रीय जांच एजेंसी को और धार देगा नया विधेयक

नई दिल्ली, एएनआइ/प्रेट्र : कैबिनेट और आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक सोमवार को संसद भवन की नई इमारत में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को और ताकतवर बनाने के लिए नया संशोधन अधिनियम मंजूर किया जा सकता है। इसके लिए सरकार दो कानूनों में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। ताकि भारतीयों और विदेश में भारतीयों के हितों के खिलाफ आतंकी कानूनों के तहत जांच की मंजूरी मिल सके। सूत्रों के अनुसार इसके लिए केंद्रीय कैबिनेट सोमवार को एनआइए एक्ट और गैर कानूनी गतिविधियों (बचाव) अधिनियम में संशोधन को पेश करेगी। इसके बाद संशोधन बिल चालू मानसून सत्र में इसी हफ्ते पेश भी कर दिया जाएगा। इस संशोधन से एनआइए को साइबर अपराधों और मानव तस्करी से जुड़े मामलों की जांच की भी अनुमति मिल जाएगी। (पेज-6)